SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी
Prepared By: Salma (Date:) LESSON-10 क) पावस, ख) बूंदें व्याकरण-१३)शब्द-भंडार

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) कलिका- कली
वाक्य- वर्षा ऋतु में पौधों पर कलिका खिलने लगती है।

ख) वसुधा - धरती
वाक्य- वर्षा ऋतु में वसुधा हरी-भरी हो जाती है।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) बूँदे अपने तन में **सुंदरता** लेकर आई हैं।

ख) बादलों ने **संगीत** गरज-गरजकर सुनाया।

ग) सागर में मिलने से पहले बूँदें **नालों और नदियों** में जाती हैं।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए-

१) बूँदें ठंडक कैसे पहुँचाती हैं?

उत्तर- बूँदें गर्मी से परेशान लोगों को ठंडक पहुँचाती हैं।

२) कलियाँ किस प्रकार झाँक रही हैं?

उत्तर- कलियाँ अपना घूँघट खोलकर झाँक रही हैं।

३) जीवन को मधुर कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर- जीवन को मधुर आनंद मनाकर, नाच गाकर बनाया जा सकता है।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) बूँदों की सुंदरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर- बूँदों के आने से चारों ओर हरियाली छा जाती है। वे गर्मी में परेशान लोगों को शीतलता पहुँचाती हैं और बूँदों के आने से पशु-पक्षी और जीव-जंतु खुशी से झूम उठते हैं।

२) बूँदें हरियाली किस प्रकार फैलाती हैं?

उत्तर- बूँदों के आने से नए-नए पौधों और पत्तों का जन्म होता है। पेड़ों को नया जीवन मिलता है। इस प्रकार धरती पर हरियाली छा जाती है।

३) वनों और उपवनों में वर्षा ऋतु से क्या परिवर्तन आया है?

उत्तर- वर्षा ऋतु के आने से वन-उपवन विकसित हो गए हैं। उनमें नए अंकुर आने लगे हैं और पीले-पीले पत्ते फिर से हरे हो गए हैं।

४) वर्षा ऋतु में लोग मतवाले क्यों हो रहे हैं?

उत्तर- वर्षा ऋतु के आने के कारण गर्मी का प्रकोप कम हो गया है। चारों ओर खुशियों का माहौल है, इसलिए लोग मतवाले हो रहे हैं।

प्रश्न-६) गतिविधि- बूँद और पेड़ की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

व्याकरण पाठ- शब्द भंडार

१) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

परिभाषा- जो शब्द अनेक शब्दों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं। जैसे-

१) देखने वाला- दर्शक

२) मीठा बोलने वाला- मृदुभाष

३) कड़वा बोलने वाला- कटुभाषी

४) प्रतिदिन होने वाला- दैनिक

५) जिसमें रस न हो-नीरस

६) प्रत्येक महीने में होने वाला- मासिक

७) प्रत्येक सप्ताह में होने वाला- साप्ताहिक

२) अनेकार्थी शब्द

परिभाषा-जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं। जैसे-

१) हार- माला, पराजय
२) फल- परिणाम, एक प्रकार का खाने वाला फल
३) काल- समय, मृत्यु
४) उत्तर- जवाब, दिशा
५) अम्बर- आकाश, कपड़ा
६) वार – दिन , आक्रमण
७) लाल- रंग, पुत्र

३) श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द- जो शब्द सुनने और बोलने में एक जैसे लगे, परंतु उनके अर्थ भिन्न हो, वे शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

१) दिन – दिवस

दीन – गरीब

२) कुल - वंश

कूल- किनारा

३) परिणाम – मात्रा

परिणाम – नतीजा

४) बाग – बगीचा

बाघ – चीता

५) समान – बराबर

सामान – वस्तुएँ

६) निधन – मृत्यु

निर्धन- गरीब

SUB TEACHER HOD CO-ORDINATOR PRINCIPAL